

## ‘रैली फॉर रिविर्स’ अभियान द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार की ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’ की सराहना

### चर्चा में क्यों?

04 अप्रैल, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ में किसानों की आय में बढ़ोतरी और पर्यावरण सुधार के उद्देश्य से प्रारंभ की गई ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’ की सराहना ‘रैली फॉर रिविर्स’ अभियान द्वारा की गई है।

### प्रमुख बंदि

- ‘रैली फॉर रिविर्स’ ईशा फाउंडेशन के सद्गुरु श्री जगगी वासुदेव द्वारा देश की नदियों की दुर्दशा के बारे में जन-जागरूकता पैदा करने और शासन की नीतियों को नदियों के संरक्षण के उद्देश्य से बदलने के लिये लोगों का समर्थन प्राप्त करने हेतु प्रारंभ किया गया अभियान है।
- ‘रैली फॉर रिविर्स’ ने अपने ट्वीट के साथ मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना के शुभारंभ के अवसर पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी किये गए इस योजना पर आधारित विज्ञापन को भी टैग किया है।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में प्रारंभ की गई ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’ बड़े पैमाने पर वाणज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का राष्ट्रीय स्तर पर पहला बड़ा अभियान है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर 21 मार्च, 2023 को इस योजना का शुभारंभ किया था।
- इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ में पाँच वर्षों में एक लाख 80 हजार एकड़ नजी भूमि में चनिहति प्रजातियों के 15 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य है। अब तक प्रदेश के 23 हजार 600 किसानों ने 36 हजार 230 एकड़ जमीन पर वाणज्यिक वृक्षारोपण के लिये पंजीयन कराया है।
- इस योजना के माध्यम से किसानों को सालाना प्रति एकड़ 15 से 50 हजार रुपए तक की आय होने का अनुमान है। इसके अलावा कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को आमदनी होगी।
- इस योजना में पाँच एकड़ में वाणज्यिक वृक्षारोपण करने वाले हतिग्राहियों को शत-प्रतिशत अनुदान तथा पाँच एकड़ से अधिक वृक्षारोपण करने वाले हतिग्राहियों को 50 प्रतिशत अनुदान देने का प्रावधान है।
- इस योजना का लाभ किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध-शासकीय एवं शासन की स्वायत्त संस्थाएँ, नजी शिक्षण संस्थाएँ, नजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक उठा सकते हैं।
- ‘मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना’ में पहली बार चनिहति प्रजातियों के वृक्षों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की गारंटी भी दी गई है। छत्तीसगढ़ में योजना के तहत इस वर्ष 12 प्रकार की प्रजातियों के वृक्ष का रोपण किया जाएगा।
- इनमें क्लोनल यूकलपिटस, रूटशूट टीक, टिश्यू कल्चर, चंदन, मेलिया दुबिया, सामान्य बाँस, टिश्यू कल्चर बंबू, रक्त चंदन, आँवला, खमार, शीशम तथा महानीम आदि के पौधे रोपे जाएंगे।
- यह योजना हतिग्राहियों के लिये आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वाइल हेल्थ की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होगी। इस योजना से काष्ठ आधारित उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।